CHOITHRAM SCHOOL NORTH CAMPUS

ANNUAL PADAGOGICAL PLAN Class- IX ^fgnh*

Step I : Identifying the Problems

SESSION- 2023-24

WHAT ARE THE PROBLEMS ?	COMPILATION OF PROBLEMS.	CATEGORISATION OF PROBLEMS [SPECIFIC AND BEHAVIOURAL]
1. वर्तनी संबंधी अशुद्धियाँ– (हैं–है, पड़ाई–पढ़ाई आर्शीवाद–आशीर्वाद, रेफ़– ग्रह–गृह, क्रम–कर्म, ड्रम, पिता–पीता, सुखी–सूखी, परिक्षा–परीक्षा, उज्जवल–उज्ज्वल, संयुक्त अक्षर– परिश्रम–परिक्षम, ज्ञान–ग्यान)।	वर्तनी प्रयोग संबंधी समझ, शब्द भण्डार का अभाव, नवीन शब्दों के प्रयोग में समस्या, विषय वस्तु की सटीकता का अभाव।	विशिष्ट विषयपरक समस्या– वर्तनी प्रयोग संबंधी समझ, शब्द भण्डार का अभाव, नवीन शब्दों के प्रयोग में समस्या, विषय वस्तु की सटीकता का अभाव।
2. उच्चारण संबंधी अशुद्धियाँ– (दुपहर–दोपहर, सुन्ना–सुनना, उस्ने–उसने, चिन्ह–चिह्न, महत्व–महत्त्व, ब्रम्हा–ब्रह्मा, आखरी–आखिरी,)	उच्चारण संबंधी समस्या के कारण वाक्य विन्यास में समस्या।	
3. शब्द भंडार की कमी– सामान्य तौर पर प्रयुक्त होने वाले अंग्रेज़ी शब्दों के लिए हिंदी शब्दों– जैसे– ल्होत्से, कृतज्ञतापूर्वक, चिह्नित, किंकर्तव्यविमूढ़, अल्युमिनियम, परिदृश्य से परिचित नहीं।	शब्द–भंडार में कमी के कारण मौखिक अभिव्यक्ति में वाक्य रचना न कर पाने की समस्या।	विशिष्ट विषयपरक समस्या– शब्दावली का अभाव, वर्तनीगत अशुद्धियों के कारण शुद्ध उच्चारण एवं वाक्य निर्माण का अभाव।
4. कविता में वाचन के अंतर्गत लयात्मकता, आरोह–अवरोह, बलाघात व उचित हावभाव का अभाव।	वाचन कौशल में हावभाव, आवाज़ के उतार–चढ़ाव, प्रवाह आदि का अभाव।	विशिष्ट विषयपरक समस्या& वाचन कौशल में हावभाव, आवाज़ के उतार–चढ़ाव, प्रवाह आदि का अभाव।
हिंदी भाषा में धारा प्रवाह एवं अतिरिक्त वाचन का अभाव।	हिंदी भाषा में अतिरिक्त वाचन का अभाव।	
5. वाचन में आत्मविश्वास की कमी।	वाचन व मौखिक अभिव्यक्ति में आत्मविश्वास की कमी।	
6. वाचन–सामग्री का उचित अर्थ ग्रहण करने में असमर्थ होने के कारण भावानुकूल वाचन एवं धारा प्रवाह वाचन का अभाव।	अर्थग्रहण करते हुए वाचन में कठिनाई का अभाव।	विशिष्ट विषयपरक समस्या– अर्थग्रहण करते हुए वाचन में कठिनाई का अभाव।
7. मौखिक अभिव्यक्ति, कहानी–कथन, तात्कालिक भाषण, परिचर्चा में उचित विराम व हावभाव का अभाव	उचित शब्दावली एवं विराम चिह्नों का सही प्रयोग न करने के कारण वाक्य–विन्यास में समस्या।	
8. मौखिक अभिव्यक्ति में आत्मविश्वास की कमी		व्यावहारिक समस्या– वाचन में आत्मविश्वास की कमी।
9. कविता वाचन में अर्थग्रहण के साथ बोलने में असमर्थता। साथ ही काव्य की अनुभूति का पंक्तियों में पिरोने का अभाव।		विश्लेषण क्षमता का अभाव

10. अधिगम के अभाव में भावपूर्ण वाचन में कमी।		एकाग्रता का अभाव।
11. कक्षा में सामूहिक गतिविधि में आपसी सहयोग, सामंजस्य एवं एकाग्रता का अभाव।		आपसी सहयोग व सामंजस्य की समस्या।
12. अपठित बोध– अतिरिक्त वाचन के अभाव में अर्थ ग्रहण करने में समस्या, एकाग्रता से वाचन न करने से काठिन्य निवारण न कर पाना, प्रश्नों के उत्तर देने में कठिनाई का अनुभव करना।		
13. लेखन संबंधी समस्या– अनुंच्छेद लेखन– लेखन में संकेत बिन्दु का ध्यान न रखना, शब्द सीमा से कम/अधिक शब्दों में लेखन कार्य, प्रभावपूर्ण एवं विषय अनुसार लेखन संबद्धता में कमी, विषय–वस्तु की सटीकता का अभाव। वर्तमान घटनाओं पर आधारित लेख लिख पाने का अभाव।	विषय वस्तु के अनुरूप भाषा एवं उचित शब्दावली का चयन करने में समस्या, प्रारूप समझने में कठिनाई, विषयानुसार प्रस्तुतीकरण में समस्या।	विशिष्ट विषयपरक समस्या– विषय वस्तु के अनुरूप भाषा एवं उचित शब्दावली का चयन करने में समस्या, प्रारूप समझने में कठिनाई, विषयानुसार प्रस्तुतीकरण में समस्या।
पत्र लेखन– प्रारूप के क्रम संबंधी समस्या, भाषा एवं शब्द चयन संबंधी कठिनाइयाँ, पत्र के उद्देश्यों का ठीक से न समझ पाना, लेख में सत्य की गहराई को न समझ पाना।		
नारा लेखन– तुकान्तक शब्दावली तथा मौलिकता का अभाव।		
सूचना लेखन– प्रारूप एवं क्रम संबंधी समस्या, औपचारिक प्रारम्भ में कठिनाई का अनुभव करना, विषय वंस्तु को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत न कर पाना		
विज्ञापन लेखन– विज्ञापन में विषय वस्तु अनुरूप पंचलाईन की कमी, विशेषताओं का विशेषण के रूप में न लिख पाना, विज्ञापित वस्तु का चित्र, संस्था का पता एवं सम्पर्क नं. का अभाव।	रचनात्मक लेखन में मौलिकता एवं कल्पनाशीलता का अभाव।	विशिष्ट विषयपरक समस्या– रचनात्मक लेखन में मौलिकता एवं कल्पनाशीलता का अभाव।
चित्र वर्णन– चित्र वर्णन में शीर्षक चयन एवं वर्णन में कठिनाई, क्रमबद्धता की कमी, चित्रानुसार संदेश लिखने का अभाव।		
i<uk dk'ky& वाचन करने में कठिनाई का अनुभव करना (वर्तनी का ध्यान रखते हुए वाचन न करना, विराम चिह्नों के प्रयोग का ध्यान न रखना, नवीन एवं कठिन शब्दों के उच्चारण कठिनाई, धारा प्रवाह वाचन एवं आत्मविश्वास में कमी।)	अर्थबोध के साथ उचित विराम का प्रयोग न करना।	व्यावहारिक समस्या– अर्थबोध का अभाव